



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

शासिका से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 528]
No. 528]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 13, 1986/कार्तिक 22, 1908
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 13, 1986/KARTIKA 22, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1986

अधिसूचना

सं. 461-88/सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 1201(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 20 के अन्तर्गत आने वाली रमचरी खुली, स्ट्राबेरी खुली और बेरी खुली और जिनका, आयात (नियंत्रण), आदेश, 1955 के अधीन जारी की गई किसी अधिनियम अधिसूचना के अधीन आयात किया गया है या जिन्हें सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अध्याय, IX के अधीन पहले ही आयात और आयातगारित मालों को निर्मुक्त करने के लिये मार्गदर्शन अधिकरण के किसी अधिनियम निर्मित आदेश के अधीन प्राप्त किया गया है और जिनका किसी मान के विनिर्माण या माल के विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री के पुनर्प्राप्ति या दोनों के प्रयोजन के लिये या एक या अधिक आयात आदेशों के निष्पादन के लिये सामग्री का आयात किया जाना अपेक्षित

है, उक्त पहली अनुसूची के अधीन उन पर उपग्रहणीय सम्पूर्ण सीमाशुल्क और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उपग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए छूट देती है, अर्थात् :—

(क) आयातित सामग्रियों, किसी शुल्क से छूट का एक प्रमाण-पत्र (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रमाणपत्र कहा गया है) के अन्तर्गत आती है, जिसे समिति द्वारा, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा (राजस्व विभाग) की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. 117-सीमा-शुल्क [सं. सा. का.नि. 218(अ)] तारीख 9 जून, 1978 की दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्ररूप में, उक्त प्रमाणपत्र के भाग ग में यथा विनिर्दिष्ट मूल्य, मात्रा, विवरण, क्वालिटी या तकनीकी विशेषताओं की वास्तव प्रदान किया गया है।

(ख) आयातित सामग्री की निकासी के समय आयातकर्ता :

(1) सीमाशुल्क कलक्टर को, लिखित रूप में, ऐसी छूट के लिये कोई दावा करता है और ऐसे प्राधिकारी के समक्ष (जिसे केन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुमानन के लिये अनुमोदित करे) कोई बंधपत्र निष्पादित करेगा;

(2) सीमा शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष स्वयं को भाग्य करते हुए यह घोषणा करेगा कि वह मांग किये जाने पर उतनी रकम का संदाय करेगा जो ऐसी आयातित, सामग्रियों पर, जिनकी बाबत इस अधिनियम में विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुपालन नहीं किया गया है, छूट न दिये जाने की वक्ता में, उद्घाटनीय शुल्क के बराबर हो।

(ग) उक्त प्रमाणपत्र में यथा विनिर्दिष्ट, मूल्य, मात्रा, वर्णन, क्वालिटी या तकनीकी विशेषताओं की बाबत परिणामी उत्पादों के तत्समान ऐसे मालों का निर्यात, जिनका उसमें विनिर्दिष्ट समय के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जिसके लिये समिति द्वारा मंजूरी दी गई हो, किया गया है ;

(घ) छूट प्राप्त सामग्रियों का उपयोग इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा ;

(ङ) छूट प्राप्त सामग्रियों या उनके किसी भाग का समिति की पूर्ण अनुज्ञा के बिना बिक्रय नहीं किया जायेगा या किसी अन्य व्यक्ति को अन्यथा अंतरित नहीं किया जायेगा या उपयोग नहीं किया जायेगा या उपयोग करने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी या किसी अन्य रीति में व्ययन नहीं किया जायेगा :

परन्तु, यह शर्त, छूट प्राप्त किसी ऐसी सामग्री के संबंध में जिनका आयात माल के विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों की पुनर्प्राप्ति के लिये किया गया है, लागू नहीं होगी।

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना में :—

- (1) "समिति" से केन्द्रीय सरकार द्वारा, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के तत्समय प्रवृत्त कार्यालय ज्ञापन सं. 1(3)/66-ई ए सी, तारीख 26 जून, 1967 के अधीन यथा गठित या केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर पुनर्गठित अंतरविभागीय समिति, अभिप्रेत है ;
- (2) "छूट प्राप्त सामग्री" से उक्त प्रमाणपत्र के भाग "ग" में विनिर्दिष्ट आयातित सामग्री और इस अधिसूचना के अधीन शुल्क से छूट के लिये प्राप्त सामग्री अभिप्रेत है ;
- (3) "सामग्री" से ऐसा माल अभिप्रेत है जो कच्ची सामग्री के रूप में है (चाहे वे उपयोग योग्य हैं या नहीं) और इसके अन्तर्गत माल के विनिर्माण में प्रयुक्त मध्यवर्ती उत्पाद भी हैं ;
- (4) "परिणामी उत्पाद" से उक्त प्रमाणपत्र के भाग (ङ) में विनिर्दिष्ट माल अभिप्रेत है ;
- (5) "मार्गदर्शन अभिकरण" से ऐसा पब्लिक सेक्टर अभिकरण, अभिप्रेत है, जो मार्गदर्शक मर्चों के आयात के लिये अभिप्रेत है ;
- (6) "आयातकर्ता" के अन्तर्गत किसी अधिम निर्मित आदेश का ऐसा धारक है, जो सीमाशुल्क, अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अध्याय IX के अधीन किसी मार्गदर्शन अभिकरण द्वारा आयात और भाण्डागार में रखी गई सामग्री के प्रदाय को प्राप्त करता है ।
- (7) "अधिम अनुज्ञप्ति के अधीन आयातित" के अन्तर्गत तत्समय प्रवृत्त आयात और निर्यात नीति के निर्बंधनों के अनुसार प्रारंभिक साधारण अनुज्ञप्ति के अधीन आयात के लिये अनुज्ञात माल और इस प्रकार प्रारंभिक साधारण अनुज्ञप्ति के अधीन आयातित माल, किन्तु सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अध्याय IX के अधीन भाण्डागारिक

किया गया हो, यदि आयातकर्ता द्वारा भाण्डागार से नििकास करते समय ऐसे माल के लिये कोई विधिमाम्य अधिम अनुज्ञप्ति प्रस्तुत कर दिया गया है ।

2. यह अधिसूचना 31 मार्च, 1988 तक प्रवृत्त रहेगी और इसमें यह तारीख भी सम्मिलित है ।

[फा.सं. 605/12/86-डी बी के]

एच. के. राय, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 13th November, 1986

NOTIFICATION

No. 461-86/Customs

G.S.R. 1201(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts raspberry pulp, strawberry pulp and cherry pulp, falling within Chapter 20 of the first schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and imported against an Advance Licence issued under the Imports (Control) Order, 1955, or obtained against an Advance Release Order on canalising agency for release of goods already imported and warehoused under chapter IX of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) being materials required to be imported for the purpose of manufacture of goods, or replenishment of the materials used in the manufacture of goods, or both for execution of one or more export orders, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said first schedule and the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:—

(a) The materials imported are covered by a Duty Exemption Entitlement Certificate (hereinafter referred to as the said certificate) granted by the Committee in the form specified in the Second Schedule to the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) No. 117-Customs [No. GSR 318 (E)], dated the 9th June 1978 as amended from time to time in respect of the value, quantity, description, quality or technical characteristics, as specified in Part C of the said certificate.

(b) the importer at the time of clearance of the imported materials makes:—

(i) a claim in writing to the Collector of Customs for such exemption and executes a bond before such authority as may be approved by the Central Government for complying with the conditions specified in this notification;

- (ii) a declaration before the Assistant Collector of Customs, binding himself to pay on demand an amount equal to the duty leviable but for the exemption on the imported materials in respect of which the conditions specified in this notification have not been complied with;
- (c) the goods corresponding to the resultant products in respect of value, quantity description, quality or technical characteristics, as specified in the said certificate are exported within the time specified therein or such extended period as may be granted by the Committee;
- (d) the exempt materials shall be used for the purpose specified in this notification;
- (e) the exempt materials or any portion thereof shall not be sold or otherwise transferred to any other person, or utilised or permitted to be utilised or dispose of in any other manner without the previous permission of the Committee :

Provided that this condition shall not apply in relation to any exempt materials which have been imported for replenishment of the materials used in the manufacture of goods.

EXPLANATION.—In this notification:—

- (i) "Committee" means the Inter-Departmental Committee as constituted by the Central Government under the Office Memorandum of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1(3)/66-EAC, dated the 26th June 1967, for the time being in force

or as re-constituted by the Central Government from time to time:—

- (ii) "exempt materials" means the materials imported and specified in Part 'C' of the said certificate and eligible for exemption from duty under this notification;
- (iii) "materials" means goods which are raw-materials (whether consumable or not) and includes intermediate products used in the manufacture of goods ;
- (iv) "resultant products" means the goods specified in Part 'E' of the said certificate;
- (v) "canalising agency" means a public sector agency designated for imports of canalised items;
- (vi) "importer" includes the holder of an Advance Release Order, who obtains supplies of materials imported and warehoused by a canalising agency under Chapter IX of the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- (vii) "imported against Advance Licence" includes goods allowed for import under the OGL in terms of the import and export policy for the time being in force and so imported under OGL, but warehoused under Chapter IX of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), if at the time of clearance out of the warehouse a valid Advance Licence for such goods is produced by the exporter.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1988.

[F. No. 605/12/86-DBK]
S. N. ROY, Dy Secy.

